चीनी पर शुल्क बढ़ाने के प्रयास

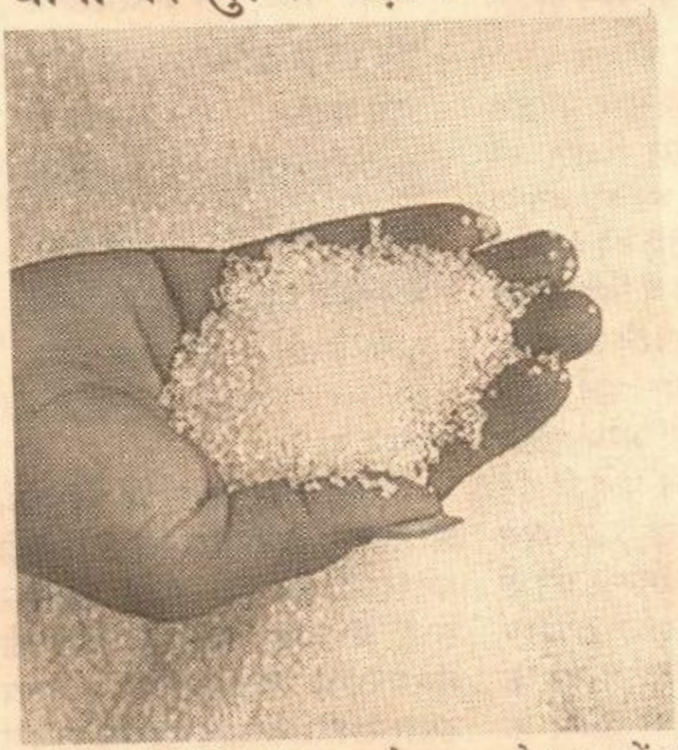

नई दिल्ली • विश्व बाजार के मुकाबले भारत में चीनी के दाम ज्यादा होने के कारण इसका आयात बढ़ रहा है। इससे घरेलू उद्योग को अंदेशा है कि आयातित चीनी के दबाव से घरेलू बाजार में दाम घट सकते हैं। इस वजह से उद्योग आयात शुल्क बढ़ाने की मांग कर रहा है। इस बीच सरकारी स्तर से विरोधाभासी खबरें आ रही हैं। एक ओर जहां चीनी (व्हाइट शुगर) पर आयात शुल्क बढ़ाने की संभावना है, वहीं दूसरी ओर बाजार के मौजूदा हालात में शुल्क वृद्धि मुश्किल बताई जा रही है। इस समय चीनी पर 10 फीसदी आयात शुल्क लगता है। एक सूत्र ने कहा कि घरेलू बाजार में आयातित चीनी की सप्लाई पर अंकुश लगाने के लिए आयात शुल्क बढ़ाने का मजबूत आधार है। हालांकि आयात शुल्क लगने से चीनी के मूल्य में तेजी आने का अंदेशा होगा, इसलिए सरकार कोई कदम उठाने से हिचक रही है।